4

30 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**DTVF/19 (N-M)–M–GS17**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Firoj Alam **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** Awake-F005

Center & Date: Delhi 30/08/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0833129

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4800 ई॰पूर्व हड़प्पा काल में मृदभांड, मुहरें, काश्म मूर्तियाँ, स्नानगृह, सड़क संरचना आदि का निर्माण करके उत्कृष्ट चित्रकारों का परिचय दिया।

हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता

① मानवीय चित्रों (मातृदेवी, पुरोहित मूर्ति) के साथ-साथ पशु-पक्षियों (एकसिंह वाला गैंडा, हाथी, मृग) को भी अपनी संवेदना में शामिल किया।

② अभिजात्य वर्ग के साथ-साथ निम्न वर्गों में प्रचलित मृदभांडों, खिलौनों आदि को शामिल किया।

③ सिर्फ पुरुषों को ही नहीं बल्कि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

त्रिभंग मुद्रा की नर्तकी मूर्ति, मातृदेवी मूर्ति आदि के माध्यम से स्त्रियों की संवेदना को भी व्यक्त किया।

जीवंत कल्पनाएँ

1. जल-निकासी प्रणाली की कल्पना वर्तमान में भी प्रासंगिक है।
2. लेखांकन के लिए पिक्टोग्राफिक लिपि का प्रयास किया।
3. शहरी नियोजन व्यवस्था का ढाँचा।
4. बहरीन, ओमान, अफगानिस्तान से ताँबा आदि का व्यापार भी बेहतर विश्व की कल्पना से साकार था।

अतः कहा जा सकता है कि हड़प्पा काल के चित्रकारों ने उत्कृष्ट संवेदनशीलता के साथ जीवंत कल्पनाओं का भी समावेश किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

छठी शताब्दी के आसपास वर्णव्यवस्था, जातिव्यवस्था, लैंगिक असंवेदनशीलता बढ़ने के कारण प्रचलित वैदिक धर्म के प्रति लोगों की अरुची विकसित हुई। इसने बौद्ध व जैन धर्म अस्तित्व में आने का मार्ग प्रशस्त किया।

बौद्ध धर्म का अस्तित्व में आना व मान्यता

① गौतम बुद्ध (शाक्य गण से सम्बंधित) ने बौद्ध धर्म की शुरुआत की।

② इन्होंने वर्णव्यवस्था तथा जातिव्यवस्था को अस्वीकार किया जिससे निम्न वर्ग आकर्षित हुआ।

③ शास्त्रीय या ब्राह्मणीय एकाधिकार को तोड़ने के लिए इन्होंने "आत्मदीपो भव:" अर्थात अपना दीपक स्वयं बनों का विचार रखा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जैन धर्म व मान्यता

(1) 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी (वज्जि क्षेत्र से सम्बंधित) ने जैन धर्म का छठी शताब्दी में प्रसार किया।

(2) इस धर्म के उत्थान का कारण तथा लोगों का इसकी ओर आकर्षित होने का कारण भी छठी शताब्दी में धार्मिक अवव्यवस्था (शास्त्रों का आडम्बर, कुछ वर्गों को विशेषाधिकार, स्त्रियों की निम्न दशा) थी।

(3) जैन धर्म के अहिंसा, सत्याग्रह, स्याद्वाद, अनेकांतवाद से तात्कालिन लोगों को राहत मिली।

अर्थात् कहा जा सकता है कि छठी शताब्दी के धार्मिक अनरेस्ट की वजह से भारत में जैन व बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए।

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये।
(Candidat
write on t

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बंगाल विभाजन की घोषणा 1903 ई० में की गई तथा दिसम्बर 1905 में बंगाल का विभाजन किया गया।

लेकिन आतंकवादी राष्ट्रवाद की विभिन्न घटनाएँ इससे पहले भी देखी जा सकती हैं, जैसे—

① प्लेग समीति के ऑफीसर रेंड व ऐमर्स्ट की चापेकर बंधुओं द्वारा हत्या कर दिया जाना।

② मित्रमेला व अनुशीलन जैसी आतंकवादी संगठन अस्तित्व में आ चुके थे।

③ 1896 ई० में तिलक की गिरफ्तारी के बाद भी अनेक आतंकवादी हिंसक घटनाएँ हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव के कारण

① धन बहिर्गमन, बढ़ता टैक्स तथा शासन के विदेशी चरित्र का होना।

② प्रेस के विकास ने शोषण को उभारा। तिलक ने 'मराठा' व 'केसरी' पत्रों के माध्यम से अंग्रेजों के वास्तविक चरित्र को उभारा।

③ सरकार द्वारा दमनात्मक कार्यवाही तथा उदारवादियों (फिरोजशाह मेहता, नौरोजी, गोखले) के नेतृत्व में पर्याप्त सफलता न मिलना।

प्रभाव

① सरकार ने बढ़ते राष्ट्रवाद व आतंकवाद को रोकने के लिए 1905 में बंगाल का विभाजन किया।

② प्रेस पर प्रतिबंध के लिए सेंसरशिप एक्ट लाए गए।

अतः कह सकते हैं कि 1905-07 के बाद जो क्रांतिकारी राष्ट्रवाद दिखता है उसकी पृष्ठभूमि पहले ही बन चुकी थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समुद्री संसाधनों के बहुआयामी लाभ को उठाने के लिए 'पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय' ने डीप ओशन मिशन का प्रारम्भ किया है।

उद्देश्य

1. विभिन्न पालिमेटालिक नॉड्यूल्स (कोबाल्ट, सिल्वर,) आदि के उपयोग आधुनिक प्रौद्योगिकी में किया जा सकता है।
2. इससे दुर्लभ अर्थ पदार्थों की प्राप्ति होगी, जिनके आयात पर भारत को खर्च करना पड़ता है।
3. इससे नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का विकास होगा।
4. UNCLOS ने हिन्द महासागर में भारत का अधिकार को 5 वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। इस मिशन से इस अधिकार का बेहतर उपयोग होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candida... write on ...

महत्व

(1) नीली क्रांति, हरित अर्थव्यवस्था तथा नवीकरणीय ऊर्जा में बढ़ोतरी होगी।

(2) समुद्री संसाधनों के लिए आधुनिक तकनीकों का विकास होगा।

(3) रोजगार पैदा होंगे तथा समुद्री संसाधनों का संरक्षण होगा।

सरकारी प्रयास

(1) सरकार ने फ्रांस, इंडोनेशिया, मॉरीशस आदि देशों से द्विपक्षीय सहयोग किया।

(2) इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA), SAAGAR आदि कार्यक्रमों में सहयोग किया जा रहा है।

सुझाव

(1) आधुनिक तकनीकों का विकास करना चाहिए तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करना चाहिए।

विश्व की 30% से अधिक ऊर्जा समुद्रों से प्राप्त होती है अतः भारत को भी सुदृढ़ प्रयास करने चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में पृथ्वी के उत्तरी भू-चुंबकीय ध्रुव में तेजी से बदलाव देखा गया।

भू-चुम्बकत्व की अवधारणा

भू-चुम्बकत्व पृथ्वी के कोर में पैदा होता है। बाहरी व आंतरिक कोर में पिघलित आयरन से डोमीनों प्रभाव पैदा होता है जो भू-चुम्बकत्व को पैदा करता है।

हाल में परिवर्तन

① इसे वर्ष 2015 में अपडेट किया गया था जिसको अवधी 2020 तक थी लेकिन इसमें पहले ही बदलाव देखे गए।

② 1900 से 1980 तक इसमें बहुत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ज्यादा बदलाव नहीं हुए लेकिन पिछले 40 वर्षों में परिवर्तन की गति बढ़ गई है।

प्रभाव

① इससे हवाई जहाजों, समुद्री जहाजों के नेवीगेशन टाइम में बदलाव होगा।

② मोबाइलों में प्रयोग होने वाले GPS के द्वारा गलत लोकेशन व टाइम दिखाया जा सकता है।

③ ऐसी जन्तु व समुद्री जीव जो प्रवास के लिए प्राकृतिक रूप से चुम्बकीय ध्रुव का प्रयोग करते हैं उनके प्रवास पैटर्न में बदलाव आएगा।

चुम्बकीय ध्रुव का स्थानांतरण प्राकृतिक प्रक्रिया है अतः सटीक अनुमान के लिए अनुसंधान किए जाने चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candidat... write on t...

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं?
(150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जेट स्ट्रीम धरातलीय पवनों के विपरीत क्षोभमंडल में चलने वाला स्थायी आकृति का पवन तंत्र है।)

भारत को पूर्वी जेट प्रवाह (जो तिब्बत के पठार पर पैदा होता है) तथा पश्चिमी विक्षोभ जेट प्रवाह प्रभावित करते हैं।

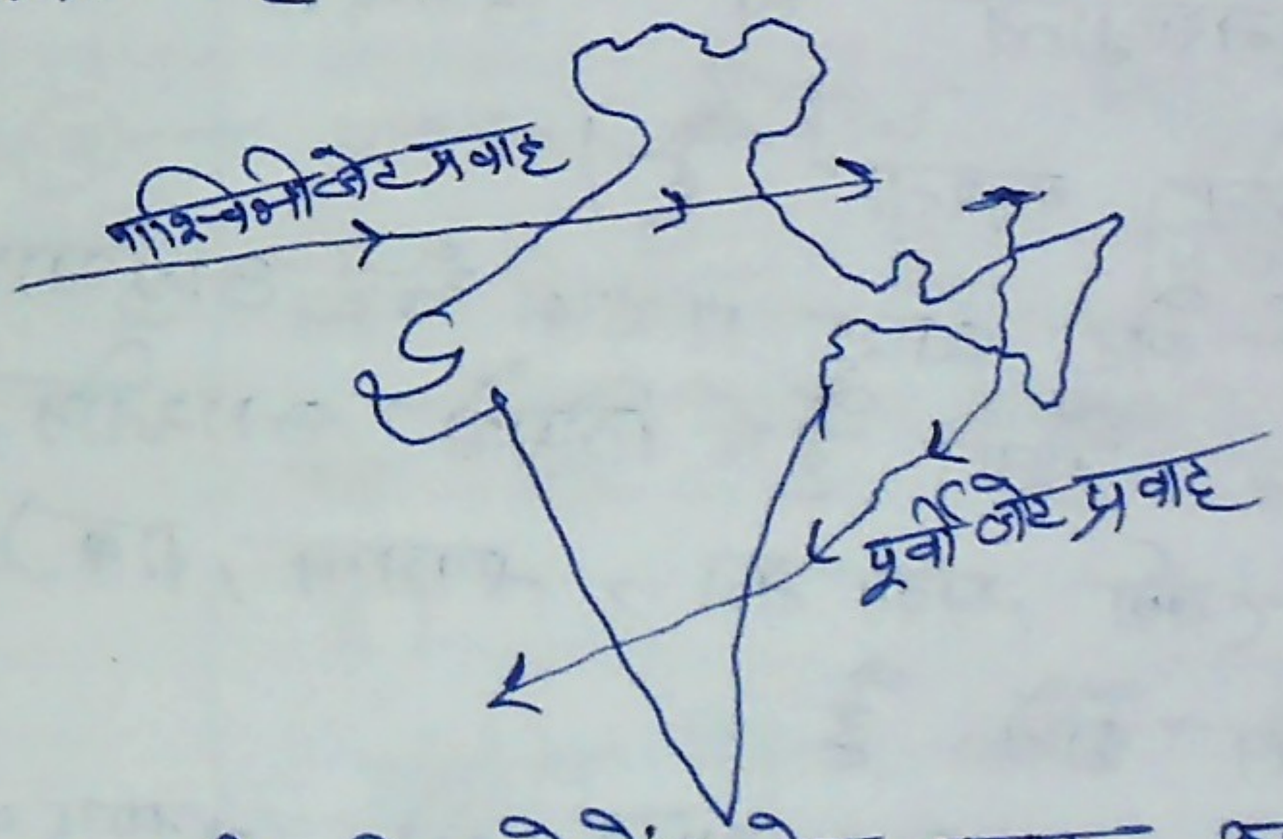

हालांकि ये दोनों जेट प्रवाह ऊंचाई व वेग के अनुसार अपनी स्थिति में बदलाव लाते रहते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार हाशिये में ... चाहिये। (Candida... write on ...

जेट प्रवाह द्वारा भारत को जलवायु प्रभावित

(1) शीत ऋतु में पश्चिमी जेट प्रवाह के कारण पंजाब, J&K, उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड आदि राज्यों में वर्षा होती है।

(2) पश्चिमी जेट प्रवाह का ग्रीष्म काल में हिमालय के उत्तर में विस्थापन से ITCZ का भारत की ओर मूवमेंट सरल हो जाता है।

(3) पूर्वी जेट द्वारा भारत में चक्रवातों की पुनरावृत्ति व उनके मार्ग को निर्धारित करता है।

(4) पूर्वी जेट द्वारा ITCZ के अनुसार परिवर्तन होता है जिससे भारतीय जलवायु (वर्षा, पवन वेग, तापमान, दाब) प्रभावित होते है।

अतः भारत की जलवायु पर जेट स्ट्रीम का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हिमनदों का अपनी अवस्थिति में परिवर्तन हिमनद रिट्रीट कहलाता है।

हिमनद रिट्रीट के कारण

① पृथ्वी की प्लेटों का घूर्णन जिससे हिमनदों की स्थिति में परिवर्तन आया है।

② जलवायु परिवर्तन के कारण भी हिमनदों के पिघलने की दर में तीव्रता आयी है।

③ महाद्वीप में आने वाले भूकंपों ने भी भूमिका निभायी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

भारतीय उपमहाद्वीप पर प्रभाव

① जल पैटर्न में परिवर्तन आ सकता है क्योंकि महाद्वीप को कई बड़ी नदियों के उद्गम का स्रोत भी हिमनद ही है।

② ~~ग्लेशियरों~~ हिमनद रिट्रीट से इनके पिघलने की दर में भी वृद्धि हो सकती है।

③ विभिन्न प्राकृतिक जीवों के प्रवास में परिवर्तन आ सकता है।

अतः वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाकर हिमनद रिट्रीट की घटना को समझने व रोकने के उपाय करने चाहिए।

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं?

(150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में संसद द्वारा मुस्लिम महिला (वैवाहिक अधिकार संरक्षण) ~~विधेय~~ अधिनियम 2019 को पारित किया गया।

तीन तलाक विधेयक के प्रावधान

1. तलाक देना अपराध घोषित तथा जेल का प्रावधान।
2. महिला को भत्ता व बच्चों की कस्टडी की सुरक्षा।
3. यदि ~~माम~~ दंपति राजी है तो मजिस्ट्रेट के समक्ष बेल का प्रावधान व समझौते का प्रावधान भी है।

धर्मनिरपेक्षता के मापदण्ड पर तीन तलाक विधेयक

+ve

1. इससे संविधान के Art-44 के अनुसार समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(2) अन्य धर्मों में भी तलाक का अधिकार नहीं है।

(-ve)
(1) इसे अपराध मानकर 3 वर्ष की सजा का प्रावधान है जबकि अन्य धर्मों के लिए ऐसा नहीं है।

लैंगिक न्याय के मापदंड पर परीक्षण

(+ve)
(1) इससे महिलाओं को संविधान से मिले अनु०- 14,15, 21 का पालन होगा।

(2) अब व्हाटसएप, सोशल मीडिया या अचानक तीन तलाक देने की प्रवृति में कमी आएगी इससे महिला सशक्तिकरण होगा।

(-ve)
(1) यदि पति को तुरंत जेल हो जाएगी तो वह महिला को भत्ता कैसे देगा?

अन्य सुझाव

(1) नई रोशनी, उस्ताद आदि के माध्यम से अल्पसंख्यक महिलाओं का सशक्तिकरण किया जाए

यह विधेयक एक सकारात्मक कदम है जो महिलाओं के शोषण को रोकने के लिए बेहतर कदम है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पारंपरिक भारतीय समाज में महिलाओं को पुरुषों के अधीन माना गया जिसमें महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली निम्नलिखित समस्याएँ थीं—

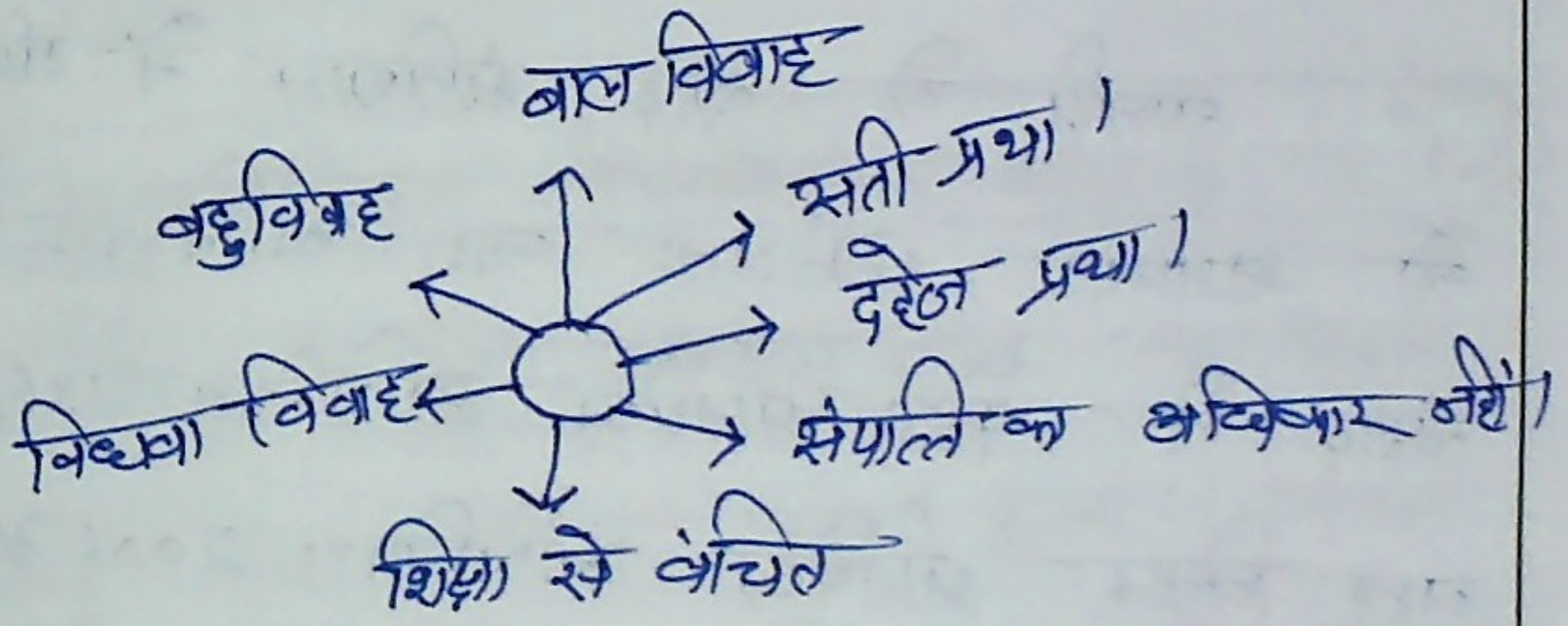

आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदम

(1) ब्रह्म समाज → सती प्रथा को समाप्त करने के लिए 1829 ई० में कानून बनवाया गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार इस हाशिये में न लिखें/ चाहिये। (Candidates should not write on this margin)

② आर्य समाज → महिलाओं को संपत्ति अधिकार का समर्थन किया।
शिक्षा को बढ़ावा दिया।

③ ज्योतिबा फुले व सावित्रीबाई फुले ने बालिका विद्यालयों की स्थापना की।

④ ईश्वरचंद विद्यासागर ने विधवा विवाह का समर्थन किया।

आजादी के बाद संविधान में महिलाओं को समानता, स्वतंत्रता का अधिकार दिया। संसद ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 आदि बनाकर पारंपरिक समाज में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को दूर करने का प्रयास किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है?

(150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिकता÷ अपने धर्म को अन्य धर्मों से श्रेष्ठ मानना तथा दूसरे धर्मों के प्रति नफरत, घृणा व विद्वेष की भावना रखना या व्यक्त करना साम्प्रदायिकता कहलाती है।

साम्प्रदायिकता औपनिवेशिक शासकों की देन

① 1906 ई० में मुस्लिम लीग का गठन धर्म के आधार पर हुआ जिसमें अलीगढ़ विश्वविद्यालय के अंग्रेज अध्यापक की भूमिका थी। इसके विरोध में ही 1916 में हिन्दू महासभा बनी।

② 1909 ई० में मार्ले मिंटो सुधार ने साम्प्रदायिक आधार पर राजनीति को प्रारम्भ किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) 1905 में बंगाल का विभाजन भी अंग्रेजों ने साम्प्रदायिक आधार पर किया जिससे क्रांतिकारियों ने काली, दुर्गा आदि प्रतीकों पर ध्यान देना प्रारम्भ कर दिया।

(4) 1942 ई० में क्रिप्स मिशन ने जिन्ना के द्विराष्ट्र के सिद्धांत को नैतिक सहमति दे दी थी।

(5) विभाजन के दौरान भी साम्प्रदायिकता से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की गई थी।

अतः निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि आज जो साम्प्रदायिकता दिखते हैं वे औपनिवेशिक गलती के कारण ही इसे हवा देते दिखते हैं तथा साम्प्रदायिकता का मूल कारण औपनिवेशिक शासन ही रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिशों के आगमन से पूर्व भारतीय उद्योगों से निर्मित वस्तुओं की माँग अधिक थी।

ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हित

① भारतीय संसाधनों को ब्रिटिश हितों में प्रयोग करना।

② ब्रिटेन के उद्योगों में निर्मित माल के लिए बाजार उपलब्ध करना।

③ ~~~~ भारत को कच्चे माल के निर्यातक में प्रयोग करना।

④ ब्रिटिश उद्योगों (बागान, नील खेती, चाय-कॉफी) को संरक्षण प्रदान करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम

① दादाभाई नौरोजी, R.C. दत्त के अनुसार भारत से बड़ी मात्रा में धन का बहिर्गमन हुआ।

② भारतीय हस्तशिल्प व कुटीर उद्योग का विनाश हुआ।

③ भारतीय उद्योगों के नष्ट होने के कारण कृषि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ा।

④ विभिन्न अकालों के कारण लोगों की मृत्यु हुई।

⑤ चूँकि भारतीय उद्योगों का विकास नहीं हुआ इसलिए शिक्षित मध्यवर्ग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

में बेरोजगारी बढ़ी।

(5) ब्रिटिश निर्मित सामानों से भारतीय बाजार भर गए।

(6) ब्रिटेन में औद्योगिक विकास में तेजी आई।

(7) उदारवादियों (दादाभाई नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, गोखले आदि) ने भारतीय उद्योगों व व्यापार को संरक्षण देने के लिए आवाज उठायी।

(8) गाँधी जी द्वारा इरविन समझौते (1931) में भी भारतीय रुपए के अवमूल्यन का मुद्दा उठाया गया था।

अतः ब्रिटिश व्यापार व उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~19वीं शत~~ 19वीं शताब्दी में फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान द्वारा अनेक क्षेत्रों में साम्राज्यवाद का विस्तार किया गया।

19वीं शताब्दी की परिस्थितियाँ जिन्होंने साम्राज्यवाद के विकास में सहायता की

① राष्ट्रवाद का उभार
- फ्रांस का क्रांति के बाद
- ब्रिटेन
- 1861 ई० में इटली व जर्मनी के एकीकरण के बाद

② औद्योगिक विकास के लिए कच्चे माल व तैयार माल के लिए बाजारों की आवश्यकता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) जर्मनी-इटली-तुर्की गुट बनने लगा तथा इसने साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।

(4) पूर्वी यूरोप की समस्या को केवल तुर्की-रूस के मध्य साम्राज्यवादी तनाव बढ़ा।

(5) सैन्य सेवा अनिवार्य किए जाने के कारण भी साम्राज्यवाद की प्रवृत्ति का उभार हुआ।

(6) एशिया व अफ्रीका के पिछड़े एवं विभाजित भूजातीय संघर्षों ने तथा नौसेना के विकास ने साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।

साम्राज्यवादी दौड़ के रूप में जापान का उद्भव

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(1) 1904-05 में जापान ने साम्राज्यवाद को लेकर रूस से युद्ध किया।

(2) 1931 ई. में चीन के मंचूरिया क्षेत्र में विस्तार किया।

(3) दक्षिण पूर्वी एशिया के सिंगापुर-मलाया में विस्तार किया।

जापानी साम्राज्यवाद के कारण

(1) राष्ट्रवाद का उभार।

(2) उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा तैयार माल के लिए बाजार।

(3) यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों का भय।

साम्राज्यवाद के प्रभाव

(1) युद्धों में वृद्धि <
- 1904-05, 1931 मे जापानी युद्ध
- 1860 में फ्रांस-जर्मनी मे सेडान का
- रूस-तुर्की में युद्ध।

(2) उपनिवेशों का विकास अवरुद्ध हुआ।

अतः साम्राज्यवाद ने विश्व को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये।
(250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1917 ई० में रूस की क्रांति हुई जिसके निम्नलिखित कारण थे –

① जार का निरंकुश व स्वेच्छाचारी शासन

② एक जार - एक रूस - एक धर्म एक धर्म की नीति ने लोगों के मध्य असंतोष पैदा किया।

③ कृषक दल व मजदूर दलों का विकास हुआ जिन्होंने हिंसक क्रांति को समर्थन प्रदान किया।

④ रूस में कुलीन वर्ग पर करों का बोझ नहीं था तथा उसे विशेषाधिकार प्राप्त थे जबकि मजदूर-कृषक वर्ग अति शोषित था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) जनता की इच्छा के विरुद्ध रूस ने प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) में भाग लिया।

(6) आर्थिक दुर्दशा (उद्योगों का नष्ट होना, मुद्रास्फीति बढ़ना)

(7) 1904-05 में रूस की जापान से हार ने जार की आंतरिक कमजोरियाँ उजागर की।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव :

(1) एम. न. राय, मुजफ्फर अहमद जैसे अनेक साम्यवादी नेताओं ने रूस के संपर्क से भारतीय राष्ट्रवाद को उभारा।

(2) शक्तिशाली जार के शासन पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जनता की विजय ने भारतीय के मन में भी यह धारणा पैदा की की यदि संघर्ष किया जाय तो अनिवेश शासन को खत्म किया जा सकता है।

③ अनेक क्रांतिकारी दलों का विकास हुआ।

④ साम्यवाद व समाजवाद की विचारधारा से प्रभावित हुए भारत में भी बनने लगे।

⑤ रूस ने साम्राज्यवादी विस्तार का विरोध किया।

⑥ भारत में अनेक श्रमिक-मजदूर दल बने तथा हड़ताले हुई।

अत: रूसी क्रांति से विविध रूप से भारतीय राष्ट्रवाद को प्रभावित किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पर्यावरण संरक्षण विकास का प्रमुख आयाम बन गया है इसके बावजूद भारत को 'पर्यावरण निष्पादन सूचकांक' में 180 देशों में से 178वीं रैंक है।

भारत में प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियाँ

1. साइलेंट वैली आंदोलन (केरल)
2. चिपको आंदोलन (उत्तराखण्ड)
3. नर्मदा बचाओ आंदोलन (मेधा पाटकर)
4. जनजातियों के वनों के अधिकार को लेकर आंदोलन।
5. बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी द्वारा वन्यजीवों के लिए उठायी गई आवाज।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक मुद्दे

① जनजातियों की आजीविका पर्यावरण पर निर्भर होती है (लघु वनोपज)

② कृषि की उत्पादकता पर्यावरण पर निर्भर है।

③ जल संरक्षण, मृदा संरक्षण का प्रभाव आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े पहचान के मुद्दे

① राजस्थान का बिश्नोई समुदाय स्वयं को पहचान को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ता है।

② कई वन सांस्कृतिक महत्व रखते हैं जिन्हें पवित्र वन कहा जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकारी पक्षी प्रयास

① पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 बनाया है।

② वन कानून 1927 में संशोधन किया गया।

③ ग्रीन भारत अभियान को शुरू किया गया है।

सुझाव

① पर्यावरण संरक्षण के सांस्कृतिक मॉडल (सामुदायिक सहभागिता) को अपनाया जाना चाहिये।

② स्कूली शिक्षा व गतिविधियों में शामिल किया जाय।

भविष्य के पर्यावरणीय संकट व आंदोलनों से बचने के लिये पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया?

(250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives?

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1971 के युद्ध के बाद 2 जुलाई 1972 को भारत-पाकिस्तान के मध्य शिमला समझौता हुआ।

मुख्य सिद्धांत

① द्विपक्षीय विवादित मुद्दों को किसी तीसरे देश के हस्तक्षेप के बिना ही आपस में हल किया जायेगा।

② एक-दूसरे की क्षेत्रीय स्वायत्ता व एकता का सम्मान करेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ LoC को ~~अंतर्राष्ट्रीय सीमा~~ नियंत्रण रेखा माना गया तथा उल्लंघन पर नियंत्रण लगाया गया।

④ एक-दूसरे देश के क्षेत्रीय प्रयासों का सम्मान करेंगे।

शिमला समझौते ने भारत को लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया ÷

① LoC पर लगातार पाक सेना द्वारा गोलीबारी जारी है।

② द्विपक्षीय मुद्दों को हल करने के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अमेरिका की मध्यस्थता की सिफारिश की (यह शिमला समझौते का उल्लंघन है)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) पाकिस्तान द्वारा पठानकोट, उड़ी, पुलवामा में आतंकवादी हमलों ने शिमला समझौते के शांति प्रस्तावों को रोका है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान द्वारा स्वायत्त दर्जा देकर अलग प्रांत बनाना भी भारतीय हितों के विरुद्ध है।

अतः निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि शिमला समझौते के अच्छे प्रावधानों के बावजूद भी यह भारत के लक्ष्यों की प्राप्ति में पूर्णतः सहायक नहीं हुए हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मृदा की ऊपरी व उपजाऊ परत का वर्षा, अति सिंचाई आदि के कारण हट जाना मृदा अपरदन कहलाता है।

मृदा अपरदन के कारण

① निर्वनीकरण (पेड़ो के काटने से मृदा ढीली हो जाती है तथा वर्षा के दौरान बह जाती है।

② राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों मे पवन भी मृदा अपरदन का कारण है।

③ हाल ही मे असम, पंजाब, केरल आदि राज्यों मे आई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

बाद भी मृदा अपरदन का कारण बनी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) खेतों में अति सिंचाई या उर्वरकों का अवैज्ञानिक प्रयोग।

कृषि पर मृदा अपरदन के प्रभाव

(1) कृषि उत्पादन में कमी आती है।

(2) कृषि मृदा का मरुस्थलीकरण बढ़ता है।

(3) मृदा अपरदन के कारण राजस्थान, पंजाब आदि के कृषकों की आय प्रभावित हुई है।

(4) वर्ष 2022 तक कृषकों की आय दोगुना करने का लक्ष्य प्रभावित होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुधारात्मक उपाय

① किसानों के मध्य 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए।

② 'प्रति बूँद अधिक फसल', 'हर मेड़ पर खेत' आदि योजनाओं का सही क्रियान्वयन हो।

③ जल शक्ति मंत्रालय ने मृदा अपरदन से निपटने के लिए चेक डैम तथा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में डैम बनाने का सुझाव दिया है।

मृदा की पतली परत को बनने में भी हजारों वर्ष लग जाते हैं अतः बढ़ते मृदा अपरदन के लिए हमें तत्काल कदम उठाने चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में कानपुर, मेरठ, मदुरै या गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में अधिक उद्योग पाए जाते है जबकि UP, बिहार, छत्तीसगढ़ में प्राय: कम उद्योग पाए जाते है। शहरों में भी उद्योगों की अवस्थिति में पर्याप्त भिन्नता है।

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक :-

① कच्चे माल की स्थिति :- कच्चे माल के कारण जमशेदपुर, बोकारो आदि में भारी उद्योग है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) परिवहन की व्यवस्था → दिल्ली व मेरठ में उद्योगों के घनत्व का कारण है।

(3) सरकार की नीतियाँ < बैंकिंग व्यवस्था। श्रम कानून। पर्यावरणीय कानून।

(4) आधारभूत संरचनाओं का विकास
सड़क, रेलवे, बिजली आदि की व्यवस्था भी उद्योगों को प्रभावित करती है।

(5) बाजार की उपलब्धता है बड़े बाजार के नजदीक प्रायः अधिक उद्योग स्थित हैं जैसे दिल्ली, कानपुर, कोलकाता आदि।

भारत में सूती वस्त्र की अवस्थिति के लिए उत्तरदायी कारक :

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

① कच्चा माल :- महाराष्ट्र, गुजरात में काली मिट्टी के कारण कपास का अधिक उत्पादन होता है।

② पूँजी की उपलब्धता :- उपनिवेश काल में सूरत, मुंबई आदि में पूँजी का धनत्व था।

③ आधारभूत संरचना :- मुंबई व गुजरात में बेहतरीन, सड़क, बिजली की पर्याप्त व्यवस्था है।

④ सस्ता श्रम उपलब्ध :- प्रवासी श्रमिकों की प्रचुरता के कारण सूती वस्त्र उद्योगों के लिए इन क्षेत्रों में सस्ता श्रम उपलब्ध है।

अतः उपर्युक्त कारणों ने उद्योगों की अवस्थिति को निर्धारित किया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

राजस्थान, बिहार तथा अन्य राज्यों में भी बाल विवाह लगातार बने हुए हैं।

UNICEF के अनुसार विश्व के 1/3 बाल विवाह दक्षिण एशिया में होते हैं, जिनमें भारत अग्रणी है।

बाल विवाह के कारण

① दहेज प्रथा :- दहेज प्रथा के से बचने के लिए माता-पिता बाल विवाह को वरीयता देते है।

② आर्थिक पिछड़ापन :- राजस्थान व बिहार में देश के 60% बाल विवाह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होते हैं तथा इन राज्यों में भी आर्थिक पिछड़े क्षेत्रों में यह प्रचलित अधिक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(3) बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों के बारे में जागरूकता का अभाव।

(4) सांस्कृतिक मान्यता — राजस्थान में तीज पर बाल विवाह शुभ माना जाता है।

बाल विवाह के निहितार्थ

(1) बच्चों में स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा होती है।

(2) मानसिक अलगाव व दबाव बढ़ता है।

(3) उत्पादकता प्रभावित होती है।

(4) मातृत्व व नवजात-शिशु मृत्यु दरों में वृद्धि होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रोकने के उपाय

① UNICEF के साथ मिलकर केंद्र व राज्यों को सहयोग करना चाहिए।

② लड़कियों के शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान करना चाहिए।

③ बाल विवाह करने वाले से प्रशासन सख्ती से निपटे।

④ NGO तथा सिविल सोसाइटी के माध्यम से बाल विवाह के कुप्रभावों के सम्बंध में जागरूकता बढ़ायी जाए।

~~अतः~~ बाल विवाह को रोककर हम जनांकिकीय लाभांश को प्राप्त कर सकते है और ~~उनमें~~ इन्हें कौशल व शिक्षा प्रदान कर दी जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India?

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता उन्मूलन के संवैधानिक प्रावधान

① Art-17 में अस्पृश्यता अपराध है।

② Art-14 में सभी को समानता।

③ Art-15 में लिंग-जन्म स्थान आदि के आधार पर भेदभाव से रोक है।

④ Art (25-28) तक सभी को धार्मिक अधिकार प्राप्त है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता के कानूनी उपाय

① अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989

② जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में अस्पृश्यता के आधार पर चुनाव रद्द।

③ सफाई कर्मचारियों के लिए अधिनियम 2013

अस्पृश्यता उन्मूलन में चुनौतियां

① जाति व्यवस्था

② रूढ़िगत धारणाएं।

③ अशिक्षा की अधिकता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) सबरिमाला जैसे धार्मिक मान्यताएं'

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारक

(1) गोल्डन ट्रायेंगल व गोल्डन क्रिसेंट के नजदीक होना

(2) आसानी से उपलब्धता।

(3) कमजोर कानूनों का अभाव।

(4) बढ़ता नशा कारोबार

(5) राजनीतिक संरक्षण।

(6) आपराधिक न्याय प्रणाली का संरक्षण में होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation